

1. निम्नलिखित में से किस डिक्री के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती ?
  - (1) एक पक्षीय डिक्री
  - (2) जिला न्यायालय द्वारा पारित डिक्री
  - (3) पक्षकारों की सहमति से न्यायालय द्वारा पारित डिक्री
  - (4) उच्च न्यायालय द्वारा पारित डिक्री
  
2. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 74 संबंधित है
  - (1) निष्पादन के प्रतिरोध से
  - (2) निवास-गृह में सम्पत्ति के अभिग्रहण से
  - (3) कृषि उपज को भागत: छूट से
  - (4) अनुरोध पत्र से
  
3. सिविल न्यायालय की अधिकारिता कौन अभिनिर्धारित करता है ?
  - (1) वादी का अभिवचन
  - (2) प्रतिवादी का अभिवचन
  - (3) न्यायालय स्वयं
  - (4) साक्षी द्वारा दिया गया कथन
  
4. "फेक्टा प्रोबेन्डा" से आशय है
  - (1) तथ्य जिनको साबित करने की आवश्यकता नहीं है।
  - (2) तथ्य जो पहले ही साबित हो चुके हैं।
  - (3) तथ्य जो दूसरे तथ्यों को साबित करते हैं।
  - (4) तथ्य जिनको साबित करने की आवश्यकता है।
  
5. किसी भी पक्षकार को वाद की सुनवाई के दौरान पर्याप्त हेतुक दर्शित करने पर कितनी बार स्थगन अनुदत्त किया जा सकता है ?
  - (1) दो बार
  - (2) तीन बार
  - (3) चार बार
  - (4) पाँच बार

1. Against which of the following decree, an appeal shall not lie ?
  - (1) Ex-parte decree
  - (2) A decree passed by the District Court
  - (3) A decree passed by the court with consent of parties
  - (4) A decree passed by the High Court
  
2. Section 74 of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with
  - (1) resistance to execution
  - (2) seizure of property in dwelling house
  - (3) partial exemption of agriculture produce
  - (4) letter of request
  
3. Who does decide the jurisdiction of a civil court ?
  - (1) Pleading of the plaintiff
  - (2) Pleading of the defendant
  - (3) Court itself
  - (4) Statement given by witness
  
4. "Facta Probanda" refers to
  - (1) facts need not to be proved
  - (2) facts already proved
  - (3) facts which prove other facts
  - (4) facts required to be proved
  
5. How many adjournments may be granted to a party during hearing of the suit if sufficient cause is shown ?
  - (1) Two times
  - (2) Three times
  - (3) Four times
  - (4) Five times

6. दरयाव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, ए.आई.आर. 1961 एस.सी. 1457 का वाद संबंधित है
- (1) सिविल प्रकृति के वाद से
  - (2) निष्पादन प्रक्रिया के अन्तरण से
  - (3) स्थगन से
  - (4) प्राङ्ग न्याय के सिद्धान्त से
7. निम्नलिखित में से किसकी अभिवचन में उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है ?
- (1) दस्तावेज का प्रभाव
  - (2) सबूत का भार
  - (3) कपट के मामले में विशिष्टियाँ
  - (4) तात्त्विक तत्त्वों का कथन
8. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की निम्न में से कौन सी धारा सिविल न्यायालयों को अन्तर्निहित शक्ति प्रदान करती है ?
- (1) धारा 151                      (2) धारा 144
  - (3) धारा 113                      (4) धारा 115
9. वह व्यक्ति जो अवयस्क की ओर से वाद संस्थित करता है, कहलाता है
- (1) संरक्षक                      (2) प्रतिनिधि
  - (3) वाद मित्र                      (4) रिश्तेदार
10. डिक्री के निष्पादन के लिए निर्णीत ऋणी के गिरफ्तारी के मामले में जीवन-निर्वाह भत्ते का भुगतान कौन करता है ?
- (1) डिक्रीदार                      (2) निर्णीत ऋणी
  - (3) न्यायालय                      (4) राज्य सरकार

6. The case Daryao Vs. State of U.P. AIR 1961 SC1457 is related to
- (1) Suit of civil nature
  - (2) Transfer of execution proceedings
  - (3) Adjournment
  - (4) Doctrine of Res-Judicata
7. Which of the following need not to be stated in pleading ?
- (1) Effect of a document
  - (2) Burden of proof
  - (3) Particulars in case of fraud
  - (4) Statement of material facts
8. Which of the following Section of the Code of Civil Procedure, 1908 confers inherent power to the Civil Courts ?
- (1) Section 151                      (2) Section 144
  - (3) Section 113                      (4) Section 115
9. A person who institutes a suit on behalf of a minor is known as
- (1) Guardian                      (2) Representative
  - (3) Next-Friend                      (4) Relative
10. Who does pay the subsistence allowance in case of arrest of judgement debtor for execution of a decree ?
- (1) Decree holder
  - (2) Judgement debtor
  - (3) Court
  - (4) State Government



11. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXIV में किसके द्वारा धनराशि का भुगतान किया जाता है ?
- (1) वादी द्वारा
  - (2) प्रतिवादी द्वारा
  - (3) साक्षी द्वारा
  - (4) न्यायालय स्वयं द्वारा
12. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXV के अन्तर्गत खर्चों के लिए प्रतिभूति कौन देता है ?
- (1) प्रतिवादी
  - (2) साक्षी
  - (3) सह-प्रतिवादी
  - (4) वादी
13. यदि कमिश्नर सिविल न्यायालय का न्यायाधीश नहीं है तो निम्न में से कौन सी शक्ति उसे प्रदत्त नहीं है ?
- (1) सम्पत्ति को विभाजित करने की शक्ति
  - (2) शास्तियाँ अधिरोपित करने की शक्ति
  - (3) दस्तावेजों को मँगवाने एवं परीक्षण करने की शक्ति
  - (4) लेखाओं के परीक्षण की शक्ति
14. जब न्यायालय द्वारा सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXV के अन्तर्गत प्रतिभूति देने का आदेश पारित किया जाता है एवं वह प्रतिभूति नहीं दी जाती है तो न्यायालय आदेश पारित करेगा कि
- (1) वाद खारिज कर दिया जाए ।
  - (2) वाद को रोक दिया जाए ।
  - (3) वाद-पत्र लौटा दिया जाए ।
  - (4) वाद-पत्र नामंजूर कर दिया जाए ।
11. Who does make payment of money into court under order XXIV of the Code of Civil Procedure, 1908 ?
- (1) Plaintiff
  - (2) Defendant
  - (3) Witness
  - (4) Court itself
12. Who does furnish security for costs under order XXV of the Code of Civil Procedure, 1908 ?
- (1) Defendant
  - (2) Witness
  - (3) Co-defendant
  - (4) Plaintiff
13. Which of the following power is not vested in commissioner if he is not a judge of a civil court ?
- (1) Power to make partition of property
  - (2) Power to impose penalties
  - (3) Power to call for and examine documents
  - (4) Power to examine accounts
14. When the court pass an order for payment of security under order XXV of the Code of Civil Procedure, 1908 and if the security is not furnished, the court shall make an order for
- (1) dismissal of suit
  - (2) stay of suit
  - (3) return of plaint
  - (4) rejection of plaint

15. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVII-क, के नियम 2 के अन्तर्गत न्यायालय, सरकार को किस रूप में पक्षकार जोड़ सकता है ?

- (1) वादी के रूप में
- (2) साक्षी के रूप में
- (3) प्रतिवादी के रूप में
- (4) सह-वादी के रूप में

16. जहाँ वाद किसी निगम के विरुद्ध संस्थित किया जाता है, समन की तामील की जा सकती है

- (1) सचिव को
- (2) निदेशक को
- (3) अन्य प्रधान अधिकारी को
- (4) इनमें से किसी को भी

17. न्यायालय की इजाजत के बिना, किसी वाद-मित्र या वादार्थ संरक्षक द्वारा अवयस्क की ओर से किया गया करार या समझौता

- (1) सभी पक्षकारों के विरुद्ध शून्य होगा ।
- (2) सक्षी पक्षकारों के विरुद्ध शून्यकरणीय होगा ।
- (3) अवयस्क से भिन्न सभी पक्षकारों के विरुद्ध शून्यकरणीय होगा ।
- (4) वैध होगा ।

18. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVI के नियम 19 के अन्तर्गत निम्न में से कौन सा न्यायालय कमीशन जारी कर सकता है ?

- (1) कोई भी सिविल न्यायालय
- (2) उच्चतम न्यायालय
- (3) जिला न्यायालय
- (4) उच्च न्यायालय

15. In what capacity the court may add Government as a party under rule 2 of order XXVII A of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) As a plaintiff
- (2) As a witness
- (3) As a defendant
- (4) As a co-plaintiff

16. Where the suit is instituted against a corporation, the summons may be served

- (1) on the secretary
- (2) on the director
- (3) on any principal officer
- (4) Any of these

17. Any agreement or compromise entered into by next-friend or guardian for the suit on behalf of minor without the leave of the court shall be

- (1) void against all parties
- (2) voidable against all parties
- (3) voidable against all parties other than minor
- (4) valid

18. Which of the following court may issue Commission under Rule 19 of order XXVI of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Any Civil Court
- (2) Supreme Court
- (3) District Court
- (4) High Court



19. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXXVIII के अन्तर्गत निम्न में से कौन सा न्यायालय स्थावर संपत्ति की कुर्की का आदेश नहीं दे सकता ?

- (1) लघुवाद न्यायालय
- (2) जिला न्यायालय
- (3) उच्च न्यायालय
- (4) वरिष्ठ सिविल न्यायालय

20. प्रत्येक अपील, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत, अपीलार्थी या उसके अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित \_\_\_\_\_ के रूप में की जायेगी।

- (1) आवेदन-पत्र
- (2) ज्ञापन
- (3) वाद-पत्र
- (4) सूचना

21. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की निम्न में से कौन सी धारा में "पुनर्विलोकन" संबंधी प्रावधान है ?

- (1) धारा 112 में
- (2) धारा 113 में
- (3) धारा 114 में
- (4) धारा 115 में

22. निम्नलिखित में से कौन सा वाद संक्षिप्त प्रक्रिया द्वारा निस्तारित नहीं किया जा सकता ?

- (1) विनिमय-पत्रों पर आधारित वाद
- (2) वचन-पत्रों पर आधारित वाद
- (3) संपत्ति के विभाजन के लिए वाद
- (4) लिखित संविदा से उद्भूत ऋण वसूली के लिए वाद

19. Which of the following court cannot make an order for the attachment of immovable property under order XXXVIII of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Court of small causes
- (2) District Court
- (3) High Court
- (4) Senior Civil Court

20. Every appeal shall be preferred under the Code of Civil Procedure, 1908 in the form of \_\_\_\_\_ signed by the appellant or his pleader.

- (1) application
- (2) memorandum
- (3) plaint
- (4) notice

21. Which of the following Section of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with the provisions relating to "Review" ?

- (1) Section 112
- (2) Section 113
- (3) Section 114
- (4) Section 115

22. Which of the following suit cannot be disposed of by following summary procedure ?

- (1) Suit based upon bill of exchange
- (2) Suit based upon promissory note
- (3) Suit for partition of property
- (4) Suit for recovery of debt arising on written contract

23. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की किस धारा में मूल डिक्री के विरुद्ध अपील के प्रावधान निहित हैं ?

- (1) धारा 96                      (2) धारा 100  
(3) धारा 104                    (4) धारा 113

24. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के \_\_\_\_\_ में अस्थाई व्यादेश संबंधी प्रावधान निहित हैं ।

- (1) आदेश XL                  (2) आदेश XXX  
(3) आदेश XLI                 (4) आदेश XXXIX

25. सिविल मामलों के संबंध में निम्न में से किस न्यायालय के पास पुनरीक्षण की शक्ति है ?

- (1) जिला न्यायालय  
(2) लघुवाद न्यायालय  
(3) उच्च न्यायालय  
(4) नगर सिविल न्यायालय

26. निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

- (1) डिक्री का निष्पादन उसे पारित करने वाले न्यायालय द्वारा किया जा सकता है ।  
(2) डिक्री उस न्यायालय द्वारा निष्पादित की जा सकती है जिसे वह निष्पादन के लिए भेजी गई है ।  
(3) डिक्री पारित करने वाला न्यायालय स्वप्रेरणा से उसे सक्षम अधिकारिता वाले किसी भी अधीनस्थ न्यायालय को निष्पादन के लिए भेज सकता है ।  
(4) न्यायालय जिसने डिक्री पारित की है, अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के बाहर संपत्ति के विरुद्ध डिक्री का निष्पादन कर सकता है ।

23. Under which Section of the Code of Civil Procedure, 1908 contains the provisions regarding appeal from original decree ?

- (1) Section 96                  (2) Section 100  
(3) Section 104                 (4) Section 113

24. The provisions regarding temporary injunction are contain in which order of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Order XL                    (2) Order XXX  
(3) Order XLI                  (4) Order XXXIX

25. Which of the following court has the power of revision with regard to Civil matters ?

- (1) District Court  
(2) Court of small causes  
(3) High Court  
(4) City Civil Court

26. Which of the following statement is not true ?

- (1) A decree may be executed by the court which passed it.  
(2) A decree may be executed by the court to which it is sent for execution.  
(3) The court which passed the decree may of its own motion send it for execution to any subordinate court of competent jurisdiction.  
(4) The court which passed a decree may execute it against property outside the local limits of jurisdiction.

27. निम्नलिखित में से कौन सा न्यायालय आज्ञापत्र जारी कर सकता है ?
- (1) केवल उच्च न्यायालय
  - (2) न्यायालय जिसकी अधिकारिता में सम्पत्ति स्थित है।
  - (3) डिक्री पारित करने वाला न्यायालय
  - (4) केवल जिला न्यायालय
28. यदि डिक्री, विधिक प्रतिनिधि के विरुद्ध निष्पादित की जाती है तो वह (विधिक प्रतिनिधि) किस हद तक दायी होगा ?
- (1) डिक्री के निष्पादन के लिए उसकी निजी संपत्ति दायी होगी।
  - (2) मृतक की केवल वह सम्पत्ति दायी होगी, जो उसके हाथ में आई है और सम्यक् रूप से व्ययनित नहीं कर दी गई है।
  - (3) मृतक की केवल वह सम्पत्ति दायी होगी जो उसके हाथ में आई है और सम्यक् रूप से व्ययनित कर दी गई है।
  - (4) वह दायी नहीं होगा भले ही मृतक की सम्पत्ति उसके हाथ में आई है।
29. अन्तरित डिक्री निष्पादित करने वाले न्यायालय के पास निम्न में से कौन सी शक्ति नहीं है ?
- (1) किसी अन्य न्यायालय को निष्पादन के लिए डिक्री भेजने की शक्ति
  - (2) मृत निर्णीत ऋणी के विधिक प्रतिनिधि के विरुद्ध डिक्री को निष्पादित करने की शक्ति
  - (3) डिक्री को कुर्क करने का आदेश देने की शक्ति
  - (4) डिक्री के अन्तरिती की प्रेरणा से निष्पादन का आदेश देने की शक्ति

27. Which of the following court may issue precept ?
- (1) Only High court
  - (2) The court in whose jurisdiction the property is situated.
  - (3) The court passing the decree
  - (4) Only District court
28. To what extent a legal representative shall be liable if decree is executed against him ?
- (1) His personal property shall be liable for execution of decree
  - (2) Only that property of deceased shall be liable which has come to his hand and has not been duly disposed of
  - (3) Only that property of deceased shall be liable which has come to his hand and has been duly disposed of.
  - (4) He shall not be liable even any property of deceased come to his hand.
29. Which of the following power is not vested in the court executing transferred decree ?
- (1) Power to send the decree for execution to another court
  - (2) Power to execute the decree against legal representative of deceased judgement debtor
  - (3) Power to order attachment of decree
  - (4) Power to order execution at the instance of transferee of decree

30. निम्न में से कौन सी सम्पत्ति डिक्री के निष्पादन के लिए कुर्क और विक्रय के लिए दायी नहीं होगी ?

- (1) वैयक्तिक सेवा कराने का कोई अधिकार
- (2) माल
- (3) धन
- (4) ऋण

31. जहाँ किसी डिक्री के निष्पादन में स्थावर सम्पत्ति का विक्रय किया गया है और ऐसा विक्रय आत्यान्तिक हो गया है वहाँ कब से यह समझा जायेगा कि सम्पत्ति क्रेता में निहित हो गई है ?

- (1) उस समय से जब विक्रय आत्यान्तिक हुआ ।
- (2) उस समय से जब सम्पत्ति का विक्रय हुआ ।
- (3) उस समय से जब वाद संस्थित किया गया ।
- (4) उस समय से जब डिक्री पारित की गई ।

32. निम्नलिखित में से किस उद्देश्य के लिए न्यायालय कमीशन जारी कर सकता है ?

- (1) किसी व्यक्ति की परीक्षा करने के लिए
- (2) सम्पत्ति का विभाजन करने के लिए
- (3) कोई मिनिस्ट्रियल कार्य करने के लिए
- (4) इन सभी उद्देश्यों के लिए

33. निम्न में से कौन सी सम्पत्ति डिक्री के निष्पादन के लिए कुर्क के लिए दायी होगी ?

- (1) लेखा बहियाँ
- (2) नुकसानी के लिए वाद लाने का अधिकार मात्र
- (3) सरकारी प्रतिभूतियाँ
- (4) भावी भरणपोषण का अधिकार

30. Which of the following property shall not be liable to attachment and sale in execution of decree ?

- (1) Any right of personal service
- (2) Goods
- (3) Money
- (4) Debts

31. Where immovable property is sold in execution of a decree and such sale has become absolute. When the property shall be deemed to have vested in the purchaser ?

- (1) From the time when the sale becomes absolute
- (2) From the time when the property is sold
- (3) From the time when the suit was instituted
- (4) From the time when the decree was passed

32. For which of the following purpose a court may issue commission ?

- (1) To examine any person
- (2) To make partition of property
- (3) To perform any ministerial act
- (4) For all of these purposes.

33. Which of the following property is liable to attachment and sale in execution of a decree ?

- (1) Book of Accounts
- (2) A mere right to sue for damages
- (3) Government Securities
- (4) A right to future maintenance

34. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 35 ख संबंधित है

- (1) विलम्ब कारित करने पर खर्चों से
- (2) वाद के खर्चों से
- (3) ब्याज से
- (4) मिथ्या या तंग करने वाले दावों या प्रतिरक्षाओं के लिए प्रतिकारात्मक खर्चों से

35. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 148 के अन्तर्गत न्यायालय कुल मिलाकर समय अवधि को कितना बढ़ा सकता है ?

- (1) दस दिन से अधिक नहीं
- (2) साठ दिन से अधिक नहीं
- (3) नब्बे दिन से अधिक नहीं
- (4) तीस दिन से अधिक नहीं

36. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 3 संबंधित है

- (1) धन संबंधी क्षेत्राधिकार से
- (2) न्यायालयों की अधीनस्थता से
- (3) परिभाषाओं से
- (4) वाद को रोकने से

37. निम्नलिखित में से किस नियम में यदि वाद खारिज हो जाता है तो वादी उसी वाद हेतुक के लिए नया वाद लाने से प्रवारित नहीं हो जाएगा ?

- (1) आदेश IX, नियम 9
- (2) आदेश XI, नियम 21
- (3) आदेश XXII, नियम 9
- (4) आदेश IX, नियम 3

34. Section 35 B of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with

- (1) costs for causing delay
- (2) cost of the suit
- (3) interest
- (4) compensatory costs in respect of false or vexatious claims or defences

35. How much time period can be enlarged by a court in total under Section 148 of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Not exceeding ten days
- (2) Not exceeding sixty days
- (3) Not exceeding ninety days
- (4) Not exceeding thirty days

36. Section 3 of the Code of Civil Procedure 1908, deals with

- (1) Pecuniary Jurisdiction
- (2) Subordination of courts
- (3) Definitions
- (4) Stay of suit

37. In which of the following rule, if a suit is dismissed, the plaintiff shall not be precluded from bringing a fresh suit in respect of same cause of action ?

- (1) Rule 9 of Order IX
- (2) Rule 21 of Order XI
- (3) Rule 9 of Order XXII
- (4) Rule 3 of Order IX

38. निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा धारा 148-क (केवियट दायर करने का अधिकार) को सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 में अन्तर्निर्दिष्ट किया गया ?

- (1) 1999 के अधिनियम 46 द्वारा
- (2) 1976 के अधिनियम 104 द्वारा
- (3) 1956 के अधिनियम 66 द्वारा
- (4) 2002 के अधिनियम 22 द्वारा

39. सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 21 में न्यायालय का निम्न में से कौन सा क्षेत्राधिकार अन्तर्निहित नहीं है ?

- (1) प्रादेशिक क्षेत्राधिकार
- (2) धन संबंधी क्षेत्राधिकार
- (3) निष्पादन करने वाले न्यायालय का क्षेत्राधिकार
- (4) विषय-वस्तु संबंधी क्षेत्राधिकार

40. निम्नलिखित में से किस व्यक्ति को सिविल प्रक्रिया के अन्तर्गत गिरफ्तार या निरुद्ध किया जा सकता है ?

- (1) संसद के किसी सदन के अधिवेशन के चालू रहने के दौरान उस सदन का कोई सदस्य
- (2) विधान परिषद् के किसी अधिवेशन के चालू रहने के दौरान उस परिषद् का कोई सदस्य
- (3) वह स्त्री जिसे देश की रूढ़ियों और रीतियों के अनुसार लोगों के सामने आने के लिए विवश नहीं किया जाना चाहिए ।
- (4) मजिस्ट्रेट जब वह अपने न्यायालय को जा रहा हो या पीठासीन हो ।

38. By which of the following Act Section 148A (Right to lodge caveat) was inserted in the Code of Civil Procedure 1908 ?

- (1) By Act 46 of 1999
- (2) By Act 104 of 1976
- (3) By Act 66 of 1956
- (4) By Act 22 of 2002

39. Which of the following jurisdiction of the court is not covered under Section 21 of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Territorial Jurisdiction
- (2) Pecuniary Jurisdiction
- (3) Jurisdiction of executing court
- (4) Jurisdiction relating to subject-matter

40. Which of the following person can be arrested or detained under civil process ?

- (1) A member of either House of Parliament during continuance of any meeting of such House.
- (2) A member of Legislative Council of State during continuance of any meeting of such council.
- (3) A woman who according to customs and manner of country, ought not to be compelled to appear in public.
- (4) A magistrate while going to or presiding in his court.



41. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVII का नियम 8 संबंधित है

- (1) लोक अधिकारी के विरुद्ध वादों में प्रक्रिया
- (2) सरकार की परिभाषा
- (3) सरकार के लिए कार्य करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति
- (4) आदेशिका प्राप्त करने के लिए सरकार का अभिकर्ता

42. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के \_\_\_\_\_ में वाद के समझौते से संबंधित प्रावधान निहित है।

- (1) आदेश XXIII के नियम 1
- (2) आदेश XXIII के नियम 2
- (3) आदेश XXIII के नियम 3
- (4) आदेश XXII के नियम 3

43. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXXVII के अन्तर्गत संस्थित वाद में यदि प्रतिवादी उपसंजात होता है तो उसके पश्चात् वादी, प्रतिवादी पर परिशिष्ट 'ख' के प्रारूप संख्यांक 4-क में क्या तामील करेगा ?

- (1) विवाहकों के स्थिरीकरण के लिए समन
- (2) निर्णय के लिए समन
- (3) आदेश के लिए समन
- (4) अस्थायी व्यादेश के लिए समन

44. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश XXVII के नियम 5 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा कुल मिलाकर कितनी समय अवधि बढ़ाई जा सकती है ?

- (1) 30 दिन से अधिक नहीं
- (2) 15 दिन से अधिक नहीं
- (3) 2 माह से अधिक नहीं
- (4) 3 माह से अधिक नहीं

41. Rule 8 of order XXVII of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with

- (1) Procedure in suits against public officer
- (2) Definition of Government
- (3) Persons authorized to act for Government
- (4) Agent for Government to receive process

42. The provisions relating to compromise of suit are provided under \_\_\_\_\_ of the Code of Civil Procedure, 1908.

- (1) Rule 1 of Order XXIII
- (2) Rule 2 of Order XXIII
- (3) Rule 3 of Order XXIII
- (4) Rule 3 of Order XXII

43. If the defendant enters on appearance in a suit instituted under Order XXXVII of the Code of Civil Procedure, 1908, what shall the plaintiff serve on the defendant in form number 4A in Appendix 'B' ?

- (1) Summons for settlement of issues
- (2) Summons for judgement
- (3) Summons for order
- (4) Summons for temporary injunction

44. How much time period can be extended in aggregate by the court under Rule 5 of Order XXVII of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Not exceeding 30 days
- (2) Not exceeding 15 days
- (3) Not exceeding 2 months
- (4) Not exceeding 3 months



45. निम्नलिखित में से कौन सी शक्ति अपीलीय न्यायालय में निहित है ?

- (1) मामले को प्रतिप्रेषण करने की शक्ति
- (2) विवाद्यक विरचित करने की शक्ति
- (3) अतिरिक्त साक्ष्य लेने की शक्ति
- (4) ये सभी शक्तियाँ

46. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

- (1) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 संविधान के अनुच्छेद 136 के अधीन उच्चतम न्यायालय की शक्तियों पर प्रभाव नहीं डालती है।
- (2) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 उच्चतम न्यायालय में अपीलों को उपस्थित करने के लिए उस न्यायालय द्वारा बनाए गए नियमों में हस्तक्षेप नहीं करती है।
- (3) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 विशेष विधि को जो अब प्रवृत्त है को परिसीमित करती है।
- (4) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का विस्तार नागालैण्ड राज्य और जनजाति क्षेत्रों में नहीं है।

47. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किस आदेश की अपील नहीं की जा सकती ?

- (1) अन्तराभिवाची वाद में आदेश जो कि आदेश XXXV के नियम 3 के अन्तर्गत दिया गया हो।
- (2) अपील को आदेश XLI के नियम 19 के अधीन पुनःग्रहण करने से इन्कार का आदेश।
- (3) पुनर्विलोकन के लिए आवेदन मंजूर करने का आदेश जो आदेश XLVII के नियम 4 के अधीन दिया गया हो।
- (4) वाद पत्र को लौटाने का आदेश जो आदेश VII के नियम 10 के अधीन दिया गया हो जहाँ आदेश VII के नियम 10-क प्रक्रिया का अनुसरण किया गया हो।

45. Which of the following powers an Appellate court shall have ?

- (1) Power to remand a case
- (2) Power to frame issues
- (3) Power to take additional evidence
- (4) All of these mentioned powers.

46. Which of the following statement is not true ?

- (1) The Code of Civil Procedure, 1908 shall not affect the power of Supreme Court under Article 136 of the Constitution.
- (2) The Code of Civil Procedure, 1908 shall not interfere with rules made by Supreme Court for presentation of appeals to that court.
- (3) The Code of Civil Procedure, 1908 limits the special law now in force.
- (4) The Code of Civil Procedure, 1908 does not extend to the State of Nagaland and the tribal areas.

47. Against which of the following order an appeal shall not lie under the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) an order in interpleader suit under Rule 3 of Order XXXV.
- (2) an order of refusal under Rule 19 of Order XLI to re-admit an appeal
- (3) an order under Rule 4 of Order XLVII granting an application for review.
- (4) an order of return of plaint under Rule 10 of Order VII where the procedure of Rule 10A of Order VII has been followed

48. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत 'जाँच' की जाती है
- (1) पुलिस अफसर द्वारा
  - (2) मजिस्ट्रेट द्वारा
  - (3) अधिवक्ता द्वारा
  - (4) साक्षी द्वारा
49. ऐसे किसी मामले में जो अन्वेषण के पश्चात् किसी असंज्ञेय अपराध का किया जाना प्रकट करता है, पुलिस द्वारा दी गई रिपोर्ट समझी जायेगी
- (1) पुलिस रिपोर्ट
  - (2) अंतिम रिपोर्ट
  - (3) मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट
  - (4) परिवाद
50. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत "कोई ऐसी कार्यवाही जिसके अनुक्रम में साक्ष्य वैध रूप से शपथ पर लिया जाता है" समझी जायेगी
- (1) न्यायिक प्रक्रिया
  - (2) गैर न्यायिक प्रक्रिया
  - (3) सामान्य प्रक्रिया
  - (4) इनमें से कोई नहीं
51. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के संदर्भ में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?
- (1) परिवाद मजिस्ट्रेट को किया जाता है ।
  - (2) परिवाद मौखिक रूप से किया जा सकता है ।
  - (3) परिवाद के अन्तर्गत पुलिस रिपोर्ट नहीं आती है ।
  - (4) परिवाद केवल ज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध किया जाता है ।
52. "पुलिस रिपोर्ट" दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की \_\_\_\_\_ में परिभाषित है ।
- (1) धारा 2(द)
  - (2) धारा 2(त)
  - (3) धारा 2(थ)
  - (4) धारा 2(ब)

48. An "inquiry" under the code of Criminal Procedure 1973 is conducted by –
- (1) Police officer
  - (2) Magistrate
  - (3) Pleader
  - (4) Witness
49. A report made by the police officer in a case which discloses, after investigation, the commission of non-cognizable offence, shall be deemed to be a –
- (1) police report
  - (2) final report
  - (3) inquest report
  - (4) complaint
50. Under the code of Criminal Procedure 1973, "any proceeding in the course of which evidence is legally taken on Oath" is considered as –
- (1) Judicial proceeding
  - (2) Extra Judicial proceeding
  - (3) Ordinary proceeding
  - (4) None of these
51. Which of the following statement not true as per the code of Criminal Procedure 1973 ?
- (1) A complaint is made to a magistrate
  - (2) A complain may be made orally
  - (3) A complaint does not include a police report
  - (4) A complaint is made against known person only
52. "Police Report" is defined under \_\_\_\_\_ of the code of Criminal Procedure 1973.
- (1) Section 2(r)
  - (2) Section 2(p)
  - (3) Section 2(q)
  - (4) Section 2(w)

53. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 157 से संबंधित है

- (1) संज्ञेय मामलों में इत्तला
- (2) रिपोर्ट कैसे दी जायेगी
- (3) अन्वेषण के लिए प्रक्रिया
- (4) पुलिस द्वारा साक्षियों की परीक्षा

54. सेशन न्यायालय कौन स्थापित करता है ?

- (1) केन्द्रीय सरकार
- (2) राज्य सरकार
- (3) उच्च न्यायालय
- (4) उच्चतम न्यायालय

55. विशेष समन संबंधित प्रावधान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की \_\_\_\_\_ में निहित है।

- (1) धारा 205
- (2) धारा 204
- (3) धारा 206
- (4) धारा 207

56. उन क्षेत्रों की स्थानीय सीमाएँ कौन परिनिश्चित कर सकता है जिनके अन्दर न्यायिक मजिस्ट्रेट अपनी शक्तियों का प्रयोग कर सकते हैं ?

- (1) उच्च न्यायालय के नियंत्रण के अधीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (2) सेशन न्यायालय के नियंत्रण के अधीन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (3) उच्च न्यायालय के नियंत्रण के अधीन सेशन न्यायालय
- (4) राज्य सरकार के नियंत्रण के अधीन सेशन न्यायालय

57. निम्नलिखित में से किस मामले में पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना अन्वेषण कर सकता है ?

- (1) समन मामला
- (2) वारंट मामला
- (3) संज्ञेय मामला
- (4) असंज्ञेय मामला

53. Section 157 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with –

- (1) Information in cognizable cases
- (2) Report how submitted
- (3) Procedure for investigation
- (4) Examination of witness by police

54. Who establishes a court of session ?

- (1) Central Government
- (2) State Government
- (3) High Court
- (4) Supreme Court

55. Provisions relating to special summons are contained in \_\_\_\_\_ of the code of Criminal Procedure 1973.

- (1) Section 205
- (2) Section 204
- (3) Section 206
- (4) Section 207

56. Who defines the local limits of the area within which the Judicial Magistrate may exercise his powers ?

- (1) Chief Judicial Magistrate subject to the control of High Court.
- (2) Chief Judicial Magistrate subject to the control of court of session.
- (3) Court of session subject to the control of High Court.
- (4) Court of session subject to the control of the State Government

57. Which of the following case can be investigated by officer incharge of a police station without the order of a magistrate ?

- (1) summons case
- (2) warrant case
- (3) cognizable case
- (4) non-cognizable case

58. निम्नलिखित में से कौन सा अपराध असंज्ञेय अपराध है ?

- (1) भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 312 के अन्तर्गत गर्भपात कारित करना ।
- (2) भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 304-क के अन्तर्गत उतावलेपन या उपेक्षापूर्ण कार्य से मृत्यु कारित करना ।
- (3) भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 309 के अन्तर्गत आत्महत्या करने का प्रयास करना ।
- (4) भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 325 के अन्तर्गत स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना ।

59. जहाँ कोई सहायक लोक अभियोजक किसी विशिष्ट मामले के प्रयोजनों के लिए उपलब्ध नहीं है, वहाँ \_\_\_\_\_ किसी अन्य व्यक्ति को उस मामले का भारसाधक सहायक लोक अभियोजक नियुक्त कर सकता है ।

- (1) सेशन न्यायालय
- (2) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (3) जिला मजिस्ट्रेट
- (4) राज्य सरकार

60. दंगा करने का अपराध है

- (1) असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध
- (2) असंज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध
- (3) संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध
- (4) संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध

58. Which of the following offence is a non-cognizable offence ?

- (1) Causing Miscarriage under Section 312 of Indian Penal Code 1860.
- (2) Causing death by rash or negligent Act under Section 304 A of Indian Penal Code 1860.
- (3) Attempt to commit suicide under Section 309 of Indian Penal Code 1860.
- (4) Voluntarily causing grievous hurt under Section 325 of Indian Penal Code 1860.

59. Where no Assistant Public Prosecutor is available for the purpose of any particular case, the \_\_\_\_\_ may appoint any other person to be the Assistant Public Prosecutor incharge of that case.

- (1) Court of Session
- (2) Judicial Magistrate
- (3) District Magistrate
- (4) State Government

60. An offence of committing affray is –

- (1) Non-cognizable and Bailable offence
- (2) Non-cognizable and Non-bailable offence
- (3) Cognizable and Bailable offence
- (4) Cognizable and Non-bailable offence

61. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की कौन सी धारा "संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति" से संबंधित है ?  
 (1) धारा 106 (2) धारा 107  
 (3) धारा 109 (4) धारा 110
62. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 218 के अन्तर्गत लोक सेवक द्वारा अशुद्ध अभिलेख या लेख की रचना करने का अपराध विचारणीय है  
 (1) केवल सेशन न्यायालय द्वारा  
 (2) कोई भी मजिस्ट्रेट द्वारा  
 (3) कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा  
 (4) प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट द्वारा
63. यदि कोई व्यक्ति विधिपूर्ण अभिरक्षा में से निकल भागता है तो वह व्यक्ति जिसकी अभिरक्षा से वह निकल भागा है, उसका तुरन्त पीछा कर सकता है और उसे गिरफ्तार कर सकता है :  
 (1) भारत के किसी स्थान में  
 (2) उस पुलिस थाने की सीमाओं में किसी स्थान में  
 (3) उस जिले के किसी स्थान में  
 (4) उस राज्य के किसी स्थान में
64. निम्न में से कौन सा दण्डादेश अपर सेशन न्यायाधीश दे सकता है ?  
 (1) कोई भी दण्डादेश किन्तु मृत्यु दण्डादेश के उच्च न्यायालय द्वारा पुष्ट किये जाने की आवश्यकता होगी ।  
 (2) मृत्यु या आजीवन कारावास या दस वर्ष से अधिक अवधि के लिए कारावास के दण्डादेश के सिवाय कोई भी दण्डादेश ।  
 (3) मृत्यु या आजीवन कारावास या सात वर्ष से अधिक अवधि के लिए कारावास के दण्डादेश के सिवाय कोई भी दण्डादेश  
 (4) (कोई भी दण्डादेश किन्तु मृत्यु दण्डादेश के उच्च न्यायालय द्वारा पुष्ट किये जाने की आवश्यकता होगी) और (मृत्यु या आजीवन कारावास या दस वर्ष से अधिक अवधि के लिए कारावास के दण्डादेश के सिवाय कोई भी दण्डादेश) दोनों ।

61. Which of the following Sections of the code of Criminal Procedure 1973 deals with "Security for good behaviour from suspected persons" –  
 (1) Section 106 (2) Section 107  
 (3) Section 109 (4) Section 110
62. An offence committed by public servant framing an incorrect record or writing, under Section 218 of the Indian Penal Code 1860 is triable –  
 (1) by Court of session only  
 (2) by any Magistrate  
 (3) by Executive Magistrate  
 (4) by Magistrate of first class
63. If a person is in lawful custody escapes, the person from whose custody he escaped may immediately pursue and arrest him –  
 (1) in any place in India  
 (2) in any place in the limits of that police station  
 (3) in any place in that district  
 (4) in any place in that state
64. Which of the following sentence may be passed by Additional Session Judge ?  
 (1) Any sentence but sentence of death shall be subject to confirmation by High Court.  
 (2) Any sentence except a sentence of death or imprisonment of life or of imprisonment for a term exceeding ten years.  
 (3) Any sentence except a sentence of death or imprisonment of life or of imprisonment for a term exceeding seven years.  
 (4) Both (Any sentence but sentence of death shall be subject to confirmation by High Court) and (Any sentence except a sentence of death or imprisonment of life or of imprisonment for a term exceeding ten years).



65. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्न में से कौन सी धारा "फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा" से संबंधित है ?  
 (1) धारा 80 (2) धारा 81  
 (3) धारा 82 (4) धारा 83
66. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 का अध्याय VII संबंधित है  
 (1) चीजें पेश करने को विवश करने के लिए आदेशिकाएँ  
 (2) हाजिर होने को विवश करने के लिए आदेशिकाएँ  
 (3) परिशान्ति कायम रखने के लिए और सदाचार के लिए प्रतिभूति  
 (4) पुलिस का निवारक कार्य
67. निम्नलिखित में से कौन सा मजिस्ट्रेट डाक या तार प्राधिकारी की अभिरक्षा में किसी दस्तावेज, पार्सल या अन्य चीज की तलाशी के लिए वारण्ट जारी करने के लिए प्राधिकृत है ?  
 (1) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग  
 (2) कोई भी कार्यपालक मजिस्ट्रेट  
 (3) जिला मजिस्ट्रेट  
 (4) महानगर मजिस्ट्रेट
68. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?  
 (1) गिरफ्तारी का वारण्ट एक से अधिक पुलिस अधिकारियों को निर्दिष्ट हो सकता है।  
 (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 74 के अन्तर्गत किसी पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारण्ट का निष्पादन अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा नहीं किया जा सकता।  
 (3) गिरफ्तारी के लिए वारण्ट तब तक प्रवर्तन में रहेगा जब तक उसे रद्द नहीं कर दिया जाता है या निष्पादित नहीं कर दिया जाता है।  
 (4) गिरफ्तारी का वारण्ट भारत के किसी भी स्थान में निष्पादित किया जा सकता है।
65. Which of the following Section of the code of Criminal Procedure 1973 deals with "Proclamation for person absconding –  
 (1) Section 80 (2) Section 81  
 (3) Section 82 (4) Section 83
66. Chapter VII of the code of Criminal Procedure 1973 deals with –  
 (1) process to compel the production of things  
 (2) process to compel appearance  
 (3) security for keeping the peace and for good behaviour  
 (4) Preventive action of the police
67. Which of the following Magistrate is authorized to grant a warrant to search for a document, parcel or other thing in the custody of the postal or telegraph authority –  
 (1) Judicial Magistrate first class  
 (2) Any Executive Magistrate  
 (3) District Magistrate  
 (4) Metropolitan Magistrate
68. Which of the following statement is not true –  
 (1) A warrant of arrest may be directed to more than one police officer  
 (2) A warrant directed to any police officer cannot be executed by any other police officer under Section 74 of the code of Criminal Procedure 1973.  
 (3) A warrant for arrest shall remain in force until it is cancelled or until it is executed.  
 (4) A warrant of arrest may be executed at any place in India.

69. निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है ?
- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 161 के अधीन अन्वेषण के दौरान अभिलिखित किए गए साक्षियों के कथन केस डायरी में अन्तः स्थापित किये जाते हैं ।
  - (2) कोई दण्ड न्यायालय पुलिस डायरी का उपयोग उस मामले में साक्ष्य के रूप में नहीं कर सकता ।
  - (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 167 के अधीन कोई द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट को उच्च न्यायालय द्वारा विशेषतया सशक्त नहीं किया गया है, पुलिस की अभिरक्षा में निरोध प्राधिकृत नहीं करेगा ।
  - (4) मजिस्ट्रेट को पुलिस रिपोर्ट भेजने के बाद उस अपराध के संबंध में आगे और अन्वेषण नहीं किया जा सकता ।

70. \_\_\_\_\_ किसी द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट को ऐसे अपराधों का, जिनकी जाँच या विचारण करना उसकी क्षमता के अन्दर है, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 190(1) के अधीन संज्ञान लेने के लिए सशक्त कर सकता/सकती है ।

- (1) उच्च न्यायालय
- (2) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (3) राज्य सरकार
- (4) सेशन न्यायालय

71. निम्नलिखित में से किस मामले में यदि अन्वेषण अभियुक्त के गिरफ्तार किये जाने की तारीख से छः मास की अवधि के भीतर समाप्त नहीं होता है तो मजिस्ट्रेट आगे और अन्वेषण को रोकने का आदेश दे सकता है ?

- (1) समन मामला
- (2) वारण्ट मामला
- (3) संज्ञेय मामला
- (4) असंज्ञेय मामला

69. Which of the following statement is not true ?

- (1) The statement of the witnesses recorded during investigation under Section 161 of the code of Criminal Procedure 1973 are inserted in case diary.
- (2) Any Criminal Court cannot use police diary as an evidence in that case.
- (3) No magistrate of second class, not specially empowered by the High Court, shall authorize detention in the custody of police under Section 167 of the code of Criminal Procedure 1973.
- (4) No further investigation can be conducted in respect of an offence after forwarding a police report to the magistrate.

70. \_\_\_\_\_ may empower any magistrate of the second class to take cognizance under Section 190(1) of the code of Criminal Procedure 1973, of such offences as are within his competence to inquire into or try.

- (1) High Court
- (2) Chief Judicial Magistrate
- (3) State Government
- (4) Court of Session

71. In which of the following case a magistrate can order stopping further investigation when the investigation is not concluded within six months from the date on which the accused was arrested ?

- (1) Summons case
- (2) Warrant case
- (3) Cognizable case
- (4) Non-Cognizable case



72. "लोक न्याय के विरुद्ध अपराधों के लिए और साक्ष्य में दिये गये दस्तावेजों से संबंधित अपराधों के लिए लोक सेवकों के विधिपूर्ण प्राधिकार के अवमान के लिए अभियोजन" संबंधित प्रावधान निहित हैं
- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 195 में
  - (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 195 क में
  - (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 196 में
  - (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 194 में
73. निम्न में से किस अपराध का संज्ञान, न्यायालय, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना ही, ले सकता है ?
- (1) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 124-क के अधीन अपराध
  - (2) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 153-क के अधीन अपराध
  - (3) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 505(1) के अधीन अपराध
  - (4) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 216-क के अधीन अपराध
74. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 192 के अन्तर्गत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मामले को जाँच या विचारण के लिए अपने अधीनस्थ किसी सक्षम मजिस्ट्रेट के हवाले कर सकता है
- (1) अपराध का संज्ञान करने के पहले
  - (2) अपराध का संज्ञान करने के पश्चात्
  - (3) अपराध का संज्ञान करने के पहले या पश्चात्
  - (4) इनमें से कोई नहीं

72. The provisions relating to "Prosecution for contempt of lawful authority of public servants, for offences against public justice and for offences relating to documents given in evidence" are provided in –
- (1) Section 195 of the code of Criminal Procedure 1973
  - (2) Section 195A of the code of Criminal Procedure 1973
  - (3) Section 196 of the code of Criminal Procedure 1973
  - (4) Section 194 of the code of Criminal Procedure 1973
73. In which of the following offence, the court may take cognizance without previous sanction of central government or of State government
- (1) Offence under Section 124 A of the Indian Penal Code 1860.
  - (2) Offence under Section 153 A of the Indian Penal Code 1860.
  - (3) Offence under Section 505 (1) of the Indian Penal Code 1860.
  - (4) Offence under Section 216 A of the Indian Penal Code 1860.
74. A Chief Judicial Magistrate may make over the case for inquiry or trial to any competent magistrate subordinate to him, under section 192 of the code of Criminal Procedure 1973 –
- (1) before taking cognizance of an offence
  - (2) after taking cognizance of an offence
  - (3) either before or after taking cognizance of an offence
  - (4) None of these

75. परिवाद पर किसी अपराध का संज्ञान करने वाला मजिस्ट्रेट
- (1) परिवादी की और वहाँ उपस्थित साक्षी की शपथ पर परीक्षा करेगा।
  - (2) केवल परिवादी की शपथ पर परीक्षा करेगा, वहाँ उपस्थित साक्षी की नहीं।
  - (3) वहाँ उपस्थित केवल साक्षी की शपथ पर परीक्षा करेगा, परिवादी की नहीं।
  - (4) परिवादी और वहाँ उपस्थित साक्षी की शपथ पर परीक्षा नहीं करेगा।
76. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 203 संबंधित है
- (1) परिवादी की परीक्षा से
  - (2) आदेशिका के जारी किए जाने को मुलतवी करने से
  - (3) परिवाद को खारिज किये जाने से
  - (4) अपराधों का सेशन न्यायालयों द्वारा संज्ञान से
77. परिवाद के आधार पर संस्थित मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा की जाने वाली जाँच या विचारण के दौरान उसके समक्ष यह प्रकट होता है कि उसी अपराध के संबंध में पुलिस द्वारा अन्वेषण हो रहा है, तब मजिस्ट्रेट -
- (1) अन्वेषण प्रक्रिया को रोक देगा।
  - (2) उस जाँच या विचारण की प्रक्रिया को रोक देगा।
  - (3) अभियुक्त को उन्मोचित कर देगा।
  - (4) अभियुक्त को दोषमुक्त कर देगा।
78. दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अंतर्गत किसी वाद को सत्र न्यायालय को विचारार्थ सुपुर्द किया जा सकता है जब अपराध केवल उसी के द्वारा विचारणीय है ?
- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 207
  - (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 208
  - (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 209
  - (4) दण्ड प्रक्रिया संहिता धारा 210

75. A Magistrate taking cognizance of an offence on complaint -
- (1) shall examine upon oath the complainant and witnesses present there.
  - (2) shall examine upon oath the complainant only and not the witness present there.
  - (3) shall examine upon oath witnesses present only and not the complainant.
  - (4) shall not examine upon oath the complainant and witnesses present there.
76. Section 203 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with -
- (1) examination of complainant
  - (2) postponement of issue of process
  - (3) dismissal of complaint
  - (4) cognizance of offences by court of session
77. In a case instituted on complaint and it is appeared to the Magistrate during inquiry or trial held by him, that an investigation by police is in progress in relation to the same offence, the Magistrate shall -
- (1) stay the investigation process
  - (2) stay the proceeding of such inquiry or trial
  - (3) discharge the accused person
  - (4) acquit the accused person
78. Under which Section of Criminal Procedure Code a case can be committed to the court of session when offence is triable exclusively by it ?
- (1) Section 207 Cr.P.C.
  - (2) Section 208 Cr.P.C.
  - (3) Section 209 Cr.P.C.
  - (4) Section 210 Cr.P.C.

79. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 257 के अन्तर्गत यदि मजिस्ट्रेट की अनुज्ञा से परिवाद वापस ले लिया जाता है तो मजिस्ट्रेट
- (1) अभियुक्त को उन्मोचित कर देगा ।
  - (2) अभियुक्त को दोषमुक्त कर देगा ।
  - (3) अभियुक्त को दोषसिद्ध कर देगा ।
  - (4) अभियुक्त को न तो उन्मोचित करेगा और न ही दोषमुक्त ।

80. निम्नलिखित में से कौन से अपराध का संक्षिप्त विचारण नहीं किया जा सकता ?
- (1) वह अपराध जो दो वर्ष से अधिक की अवधि के लिए कारावास से दण्डनीय नहीं है ।
  - (2) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 379 के अधीन चोरी, जहाँ चुराई हुई सम्पत्ति का मूल्य दो हजार रुपये से अधिक नहीं है ।
  - (3) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 456 के अधीन कारित अपराध
  - (4) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 460 के अधीन कारित अपराध

81. निम्नलिखित में से कौन से व्यक्तियों पर एक साथ आरोप नहीं लगाया जा सकता ?
- (1) वे व्यक्ति जिन पर भिन्न संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए एक ही अपराध का अभियोग है ।
  - (2) वे व्यक्ति जिन पर किसी अपराध का अभियोग है और वे व्यक्ति जिन पर ऐसे अपराध का दुष्प्रेरण करने का अभियोग है ।
  - (3) वे व्यक्ति जिन पर किसी अपराध का अभियोग है और वे व्यक्ति जिन पर ऐसे अपराध का प्रयत्न करने का अभियोग है ।
  - (4) वे व्यक्ति जिन पर एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए भिन्न अपराधों का अभियोग है ।

79. When a complaint is withdrawn under Section 257 of the code of Criminal Procedure 1973, with the permission of Magistrate, the Magistrate shall –
- (1) discharge the accused
  - (2) acquit the accused
  - (3) convict the accused
  - (4) neither discharge nor acquit the accused

80. Which of the following offence cannot be tried summarily –
- (1) an offence punishable with imprisonment for a term not exceeding two years.
  - (2) theft, under Section 379 of the Indian Penal Code 1860 where the value of the property stolen does not exceed two thousand rupees.
  - (3) offence under Section 456 of the Indian Penal Code 1860.
  - (4) offence under Section 460 of the Indian Penal Code 1860.

81. Which of the following persons cannot be charged together –
- (1) person accused of the same offence committed in the course of different transaction.
  - (2) person accused of an offence and person accused of abetment of such offence.
  - (3) person accused of an offence and person accused of attempt to commit such offence.
  - (4) person accused of different offences committed in the course of same transaction.

82. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 306 संबंधित है

- (1) अभियोजन का संचालन करने की अनुज्ञा से
- (2) स्थानीय निरीक्षण से
- (3) परिवादियों और साक्षियों के व्यय से
- (4) सह-अपराधी को क्षमादान से

83. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 313 के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

- (1) जब अभियुक्त की परीक्षा की जाती है तब उसे कोई शपथ नहीं दिलाई जायेगी।
- (2) अभियुक्त प्रश्नों का मिथ्या उत्तर देने से दण्डनीय हो जाएगा।
- (3) समन मामले में, जहाँ न्यायालय ने अभियुक्त को वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति दे दी है, वहाँ उसकी परीक्षा से भी अभिमुक्ति दे सकता है।
- (4) न्यायालय सुसंगत प्रश्न तैयार करने में प्रतिरक्षा काउंसिल की सहायता ले सकता है।

84. सेशन न्यायालय द्वारा पारित मृत्यु दण्डादेश को कौन पुष्ट करता है ?

- (1) उच्च न्यायालय
- (2) उच्चतम न्यायालय
- (3) राज्य का राज्यपाल
- (4) भारत का राष्ट्रपति

85. संक्षिप्त विचारण में निम्न में से कौन सी प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है ?

- (1) सेशन न्यायालय के समक्ष विचारण की प्रक्रिया
- (2) पुलिस रिपोर्ट पर संस्थित वारण्ट मामलों की विचारण प्रक्रिया
- (3) समन मामलों की विचारण प्रक्रिया
- (4) पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित वारण्ट मामलों की विचारण प्रक्रिया

82. Section 306 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with –

- (1) Permission to conduct prosecution
- (2) Local inspection
- (3) Expenses of complainants and witnesses
- (4) Tender of pardon to accomplice

83. Which of the following statement is not true with regard to Section 313 of the code of Criminal Procedure 1973 ?

- (1) No oath shall be administered to the accused when he is examined.
- (2) The accused shall render himself liable to punishment by giving false answers to questions.
- (3) In summons case where the court has dispensed with the personal attendance of accused, it may also dispense with his examination.
- (4) The court may take help of defense counsel in preparing relevant questions.

84. Who does confirm the sentence of death passed by the court of session ?

- (1) High Court
- (2) Supreme Court
- (3) Governor of State
- (4) President of India

85. Which of the following procedure is followed in summary trial ?

- (1) procedure of trial before a court of session.
- (2) procedure of trial of warrant cases instituted on police report.
- (3) procedure of trial of summons case.
- (4) procedure of trial of warrant cases instituted otherwise than a police report.

86. निम्नलिखित में से किस अपराध का शमन न्यायालय की अनुज्ञा के बिना किया जा सकता है ?

- (1) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 323 के अधीन स्वेच्छया उपहति कारित करना ।
- (2) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 312 के अधीन गर्भपात कारित करना ।
- (3) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 406 के अधीन आपराधिक न्यासभंग ।
- (4) भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 325 के अधीन स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना ।

87. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 320 के अन्तर्गत अपराध के शमन का प्रभाव होगा

- (1) अभियुक्त का उन्मोचन
- (2) अभियुक्त की दोषमुक्ति
- (3) अभियुक्त की दोषसिद्धि
- (4) इनमें से कोई नहीं

88. जब मजिस्ट्रेट पर्याप्त कठोर दण्ड का आदेश नहीं दे सकता है, तो वह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 325 के अन्तर्गत कार्यवाही एवं अभियुक्त को भेज सकता है -

- (1) उच्च न्यायालय को
- (2) सेशन न्यायाधीश को
- (3) अपर सेशन न्यायाधीश को
- (4) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को

89. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 का अध्याय XXIX संबंधित है

- (1) निर्णय से
- (2) निर्देश और पुनरीक्षण से
- (3) अपील से
- (4) आपराधिक मामलों के अन्तरण से

86. Which of the following offence can be compounded without the permission of the court ?

- (1) voluntarily causing hurt under Section 323 of the Indian Penal Code 1860.
- (2) Causing miscarriage under Section 312 of the Indian Penal Code 1860.
- (3) Criminal breach of trust under Section 406 of the Indian Penal Code 1860.
- (4) Voluntarily causing grievous hurt under Section 325 of the Indian Penal Code 1860.

87. The composition of an offence under Section 320 of the code of Criminal Procedure 1973 shall have the effect of -

- (1) discharge of the accused
- (2) acquittal of the accused
- (3) conviction of the accused
- (4) None of these

88. When a Magistrate cannot pass sentence sufficiently, he may under Section 325 of the code of Criminal Procedure 1973, submit the proceeding and forward the accused to \_\_\_\_\_

- (1) High Court
- (2) Session Judge
- (3) Additional Session Judge
- (4) Chief Judicial Magistrate

89. Chapter XXIX of the code of Criminal Procedure 1973 deals with -

- (1) The Judgement
- (2) Reference and Review
- (3) Appeals
- (4) Transfer of Criminal cases



90. कोई व्यक्ति जो अपर सेशन न्यायाधीश द्वारा किये गये विचारण में दोषसिद्ध किया गया है, अपील कर सकता है

- (1) उच्च न्यायालय में
- (2) सेशन न्यायालय में
- (3) उच्चतम न्यायालय में
- (4) राज्य सरकार को

91. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 395 के अन्तर्गत किसी लम्बित मामले को राय के लिए भेजा जाता है

- (1) उच्चतम न्यायालय को
- (2) उच्च न्यायालय को
- (3) सेशन न्यायालय को
- (4) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को

92. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 376 के अन्तर्गत अपील के उद्देश्य से कौन सा मामला छोटा मामला नहीं समझा जायेगा ?

- (1) जहाँ उच्च न्यायालय छः मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है ।
- (2) जहाँ सेशन न्यायालय तीन मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है ।
- (3) जहाँ प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट एक मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है ।
- (4) जहाँ महानगर मजिस्ट्रेट तीन मास से अनधिक की अवधि के लिए कारावास का दण्डादेश पारित करता है ।

90. Any person convicted on a trial held by an Additional Session Judge may appeal to the –

- (1) High Court
- (2) Court of Session
- (3) Supreme Court
- (4) State Government

91. A pending case is referred for opinion under Section 395 of the code of Criminal Procedure 1973 to the –

- (1) Supreme Court
- (2) High Court
- (3) Court of Session
- (4) Chief Judicial Magistrate

92. Which of the following case cannot be considered as petty case for the purpose of appeal under Section 376 of the code of Criminal Procedure 1973 ?

- (1) where a High Court passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding six months.
- (2) where a court of session passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding three months.
- (3) where a Magistrate of first class passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding one month.
- (4) where a Metropolitan Magistrate passes a sentence of imprisonment for a term not exceeding three months.

93. जब कभी कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को पुलिस अधिकारी से गिरफ्तार करवाता है, तब यदि उस मजिस्ट्रेट को जिसके द्वारा यह मामला सुना जाता है, यह प्रतीत होता है कि ऐसी गिरफ्तारी करवाने का कोई पर्याप्त आधार नहीं था, वह मजिस्ट्रेट प्रतिकर दिलवा सकता है
- (1) एक लाख रुपये से अनधिक
  - (2) दस हजार रुपये से अनधिक
  - (3) पाँच हजार रुपये से अनधिक
  - (4) एक हजार रुपये से अनधिक
94. अपराधी को भर्त्सना के पश्चात् छोड़ने के मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा निम्न में से किस तथ्य पर विचार नहीं किया जा सकता ?
- (1) अपराधी की आयु
  - (2) अपराधी का शील
  - (3) अपराधी की वित्तीय स्थिति
  - (4) अपराध की तुच्छ प्रकृति
95. जब किसी व्यक्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि हो सकता है उसको किसी \_\_\_\_\_ के किए जाने के अभियोग में गिरफ्तार किया जाए, तो वह अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकता है।
- (1) शमनीय अपराध
  - (2) असंज्ञेय अपराध
  - (3) जमानतीय अपराध
  - (4) अजमानतीय अपराध
96. यदि वह स्त्री, जिसे मृत्यु दण्डादेश दिया गया है, गर्भवती पाई जाती है तो उच्च न्यायालय
- (1) दण्डादेश के निष्पादन को मुलतवी करने का आदेश देगा।
  - (2) दण्डादेश का आजीवन कारावास के रूप में लघुकरण करेगा।
  - (3) दण्डादेश का दस वर्ष की अवधि के कारावास के रूप में लघुकरण करेगा।
  - (4) गर्भवती महिला को दोषमुक्त कर देगा।
93. Whenever any person causes a police officer to arrest another person, if it is appeared to the Magistrate by whom the case is heard that there was no sufficient ground of causing such arrest, the magistrate may award compensation –
- (1) not exceeding one lakh rupees
  - (2) not exceeding ten thousand rupees
  - (3) not exceeding five thousand rupees
  - (4) not exceeding one thousand rupees
94. Which of the following fact cannot be considered by a Magistrate in case of release of offender after due admonition ?
- (1) age of the offender
  - (2) character of the offender
  - (3) financial condition of the offender
  - (4) trivial nature of the offence
95. Where any person has reason to believe that he may be arrested on accusation of having committed a \_\_\_\_\_, he may apply for anticipatory bail.
- (1) compoundable offence
  - (2) non-cognizable offence
  - (3) bailable offence
  - (4) non-bailable offence
96. If a woman sentenced to death is found to be pregnant, the High Court shall –
- (1) order the execution of the sentence to be postponed.
  - (2) commute the sentence to imprisonment of life.
  - (3) commute the sentence to imprisonment for a term of ten years.
  - (4) acquit the pregnant woman



97. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन सी धारा उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्ति से संबंधित है ?
- (1) धारा 481 (2) धारा 482  
(3) धारा 483 (4) धारा 484
98. यदि कोई अपराध केवल जुर्माने से दण्डनीय है तो परिसीमा काल होगा
- (1) तीन महीने (2) छः महीने  
(3) एक वर्ष (4) तीन वर्ष
99. निम्नलिखित में से कौन सी अनियमितता दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 460 में सम्मिलित नहीं है ?
- (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 94 के अधीन तलाशी वारण्ट जारी करना ।  
(2) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 176 के अधीन मृत्यु समीक्षा करना ।  
(3) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 83 के अधीन सम्पत्ति को कुर्क करना और उसका विक्रय करना ।  
(4) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 306 के अधीन क्षमादान करना ।
100. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 311-क के अन्तर्गत किसे नमूना हस्ताक्षर देने के लिए निर्देशित किया जा सकता है ?
- (1) किसी भी व्यक्ति को जिसमें अभियुक्त भी शामिल है ।  
(2) केवल अभियुक्त को  
(3) केवल पीड़ित व्यक्ति को  
(4) केवल साक्षी को

97. Which of the following section of the code of Criminal Procedure 1973 deals with inherent power of High Court ?
- (1) Section 481 (2) Section 482  
(3) Section 483 (4) Section 484
98. If an offence is punishable with fine only, the period of limitation shall be –
- (1) three months (2) six months  
(3) one year (4) three years
99. Which of the following irregularity is not covered under Section 460 of the code of Criminal Procedure 1973 ?
- (1) to issue a search warrant under Section 94 of the code of Criminal Procedure 1973  
(2) to hold an inquest under Section 176 of the code of Criminal Procedure 1973  
(3) to attach and sell property under Section 83 of the code of Criminal Procedure 1973.  
(4) to tender a pardon under Section 306 of the code of Criminal Procedure 1973.
100. Who may be directed to give specimen signature under Section 311 A of the code of Criminal Procedure 1973 ?
- (1) any person including accused person  
(2) only accused person  
(3) only victim  
(4) only witness

101. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 374 के अधीन अपील की जाती है

- (1) दोषसिद्ध व्यक्ति द्वारा
- (2) लोक अभियोजक द्वारा
- (3) जिला मजिस्ट्रेट द्वारा
- (4) राज्य सरकार द्वारा

102. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 106 के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

- (1) बन्धपत्र का निष्पादन केवल अभियुक्त के दोषसिद्ध होने पर ही किया जा सकता है।
- (2) यदि दोषसिद्ध अपील पर अपास्त कर दी जाती है तो बन्धपत्र, जो निष्पादित किया गया था, शून्य हो जाएगा।
- (3) बन्धपत्र के निष्पादन का आदेश सेशन न्यायालय या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के न्यायालय द्वारा दिया जा सकता है।
- (4) बन्धपत्र निष्पादित करने का आदेश अपीलीय न्यायालय द्वारा नहीं दिया जा सकता।

103. आयुध सहित जुलूस या सामूहिक कवायद या सामूहिक प्रशिक्षण के प्रतिषेध की शक्ति किसके पास है ?

- (1) सेशन न्यायालय के पास
- (2) जिला मजिस्ट्रेट के पास
- (3) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास
- (4) प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के पास

104. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 439 के अधीन जमानत से संबंधित विशेष शक्तियाँ निहित हैं

- (1) केवल उच्चतम न्यायालय को
- (2) केवल उच्च न्यायालय को
- (3) केवल सेशन न्यायालय को
- (4) उच्च न्यायालय एवं सेशन न्यायालय दोनों को

101. An appeal under Section 374 of the code of Criminal Procedure 1973 is filed by –

- (1) Convicted person
- (2) Public prosecutor
- (3) District Magistrate
- (4) State Government

102. Which of the following statement is not true with regard to Section 106 of the code of Criminal Procedure 1973 ?

- (1) bond may be executed only on the conviction of the accused
- (2) If the conviction is set aside on appeal, the bond so executed shall become void
- (3) An order for execution of bond may be passed by court of session or court of Magistrate of first class
- (4) An order for execution of bond cannot be made by Appellate court.

103. Who has the power to prohibit carrying arms in procession or mass drill or mass training with arms ?

- (1) Court of session
- (2) District Magistrate
- (3) Chief Judicial Magistrate
- (4) Magistrate of first class

104. Special power regarding bail, under Section 439 of the code of Criminal Procedure 1973, is conferred on –

- (1) only Supreme Court
- (2) only High Court
- (3) only Court of Session
- (4) both High court and Court of session

105. कोई व्यक्ति उप-अभियोजन निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए केवल तभी पात्र होगा, यदि वह अधिवक्ता के रूप में व्यवसाय कर रहा है

- (1) दस वर्ष से कम नहीं
- (2) सात वर्ष से कम नहीं
- (3) पाँच वर्ष से कम नहीं
- (4) दो वर्ष से कम नहीं

106. अभिवाक् सौदेबाजी के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

- (1) यह वहाँ लागू नहीं होता जहाँ अपराध किसी स्त्री के विरुद्ध कारित किया गया है।
- (2) यह वहाँ लागू नहीं होता जहाँ अपराध चौदह वर्ष से कम आयु के बच्चे के विरुद्ध कारित किया गया है।
- (3) न्यायालय अपना निर्णय खुले न्यायालय में नहीं सुनाएगा।
- (4) अभिवाक् सौदेबाजी के लिए आवेदन में अभियुक्त द्वारा दिया गया अभिकथन का किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा।

107. जब अपील में उच्च न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्डादेश दिया जाता है तो उक्त दण्डादेश को क्रियान्वित कौन कराएगा ?

- (1) राज्य सरकार
- (2) सेशन न्यायालय
- (3) जिला मजिस्ट्रेट
- (4) प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट

108. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन सी धारा में पुलिस के पास संज्ञेय अपराध के अंतर्गत गिरफ्तार करने की शक्ति है ?

- (1) धारा 149
- (2) धारा 150
- (3) धारा 151
- (4) धारा 152

105. A person shall be eligible to be appointed as a deputy director of prosecution only if he has been in practice as an advocate for –

- (1) not less than ten years
- (2) not less than seven years
- (3) not less than five years
- (4) not less than two years

106. Which of the following statement is not true with regard to Plea bargaining ?

- (1) It does not apply where offence has been committed against woman.
- (2) It does not apply where offence has been committed against a child below the age of fourteen years.
- (3) The court shall not deliver its judgment in the open court.
- (4) The statement made by the accused in an application for plea bargaining shall not be used for any other purpose.

107. Who shall cause the sentence to be carried into effect when a sentence of death is passed by the High Court in appeal ?

- (1) State Government
- (2) Court of Session
- (3) District Magistrate
- (4) Magistrate of first class

108. In which of the following Section of the code of Criminal Procedure 1973, a police officer has a power to arrest in a cognizable offence ?

- (1) Section 149
- (2) Section 150
- (3) Section 151
- (4) Section 152

109. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41 से संबंधित है

- (1) पुलिस वारंट के बिना कब गिरफ्तार कर सकेगी।
- (2) नाम और निवास बताने से इन्कार करने पर गिरफ्तारी
- (3) प्राइवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी
- (4) मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी

110. सेशन न्यायालय के समक्ष प्रत्येक विचारण में, अभियोजन का संचालन किया जाएगा

- (1) स्वयं न्यायालय द्वारा
- (2) लोक अभियोजक द्वारा
- (3) अभियुक्त द्वारा
- (4) साक्षी द्वारा

111. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 433 के अधीन दण्डादेश के लघुकरण की शक्ति किसके पास है ?

- (1) भारत के राष्ट्रपति के पास
- (2) उच्च न्यायालय के पास
- (3) समुचित सरकार के पास
- (4) उच्चतम न्यायालय के पास

112. विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एक समय में \_\_\_\_\_ की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

- (1) एक वर्ष से अनधिक
- (2) दो वर्ष से अनधिक
- (3) पाँच वर्ष से अनधिक
- (4) सात वर्ष से अनधिक

113. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 में धारा 55-क को अन्तर्विष्ट किया गया

- (1) 2005 के अधिनियम 25 द्वारा
- (2) 2010 के अधिनियम 41 द्वारा
- (3) 1978 के अधिनियम 45 द्वारा
- (4) 2009 के अधिनियम 5 द्वारा

109. Section 41 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with

- (1) when police may arrest without warrant
- (2) arrest on refusal to give name and residence
- (3) arrest by private person
- (4) arrest by Magistrate

110. In every trial before a court of session, the prosecution shall be conducted by –

- (1) the court itself
- (2) the public prosecutor
- (3) the accused
- (4) the witness

111. Who has the power to commute a sentence under Section 433 of the code of Criminal Procedure 1973 ?

- (1) President of India
- (2) High Court
- (3) Appropriate Government
- (4) Supreme Court

112. A special Judicial Magistrate is appointed for a term \_\_\_\_\_ at a time.

- (1) not exceeding one year
- (2) not exceeding two years
- (3) not exceeding five years
- (4) not exceeding seven years

113. Section 55A was inserted in the code of Criminal Procedure 1973 by –

- (1) Act 25 of 2005
- (2) Act 41 of 2010
- (3) Act 45 of 1978
- (4) Act 5 of 2009

114. न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालय पर अधीक्षण का निरन्तर प्रयोग करने का कर्तव्य निम्न में से किसका है ?
- (1) जिला मजिस्ट्रेट का
  - (2) राज्य के राज्यपाल का
  - (3) सेशन न्यायालय का
  - (4) उच्च न्यायालय का
115. अपीलों के उपशमन संबंधित प्रावधान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की \_\_\_\_\_ में निहित हैं।
- (1) धारा 391                      (2) धारा 392
  - (3) धारा 393                      (4) धारा 394
116. जब वारण्ट का निष्पादन उसे जारी करने वाले न्यायालय की स्थानीय अधिकारिता के बाहर किया जाना है तब वह न्यायालय ऐसा वारण्ट भेज सकता है
- (1) कार्यपालक मजिस्ट्रेट को जिसकी अधिकारिता के अन्दर उसका निष्पादन किया जाना है।
  - (2) जिला पुलिस अधीक्षक को जिसकी अधिकारिता के अन्दर उसका निष्पादन किया जाना है।
  - (3) पुलिस आयुक्त को जिसकी अधिकारिता के अन्दर उसका निष्पादन किया जाना है।
  - (4) इनमें से किसी को भी।
117. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन यदि बन्धपत्र के लिए कोई प्रतिभू बन्धपत्र का समपहरण होने से पूर्व मर जाता है, तो
- (1) उसकी सम्पदा बन्धपत्र के बारे में दायित्व से उन्मोचित नहीं होगी।
  - (2) उसकी सम्पदा बन्धपत्र के बारे में दायित्व से उन्मोचित हो जायेगी।
  - (3) उसके विधिक प्रतिनिधि बन्धपत्र के बारे में दायी हो जायेंगे।
  - (4) उसके विधिक प्रतिनिधि की सम्पदा बन्धपत्र के बारे में दायी हो जायेगी।

114. Which of the following has duty to exercise continuous superintendence over courts of Judicial Magistrate ?
- (1) District Magistrate
  - (2) Governor of State
  - (3) Court of Session
  - (4) High Court
115. The provisions regarding abatement of appeals are contained in \_\_\_\_\_ of the code of Criminal Procedure 1973.
- (1) Section 391                      (2) Section 392
  - (3) Section 393                      (4) Section 394
116. When a warrant is to be executed outside the local jurisdiction of the court issuing it, such court may forward it to –
- (1) Executive Magistrate in whose jurisdiction, it is to be executed
  - (2) District Superintendent of Police in whose jurisdiction it is to be executed.
  - (3) Commissioner of police in whose jurisdiction it is to be executed.
  - (4) Any of these
117. Under the code of Criminal Procedure 1973 where a surety to a bond dies before the bond is forfeited –
- (1) his estate shall not be discharged from liability in respect of bond.
  - (2) his estate shall be discharged from liability in respect of bond.
  - (3) his legal representative shall become liable in respect of bond.
  - (4) estate of his legal representative shall become liable in respect of bond.

118. ऐसा मामला जो मृत्यु, आजीवन कारावास या दो वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास से दण्डनीय है, कहलाता है

- (1) समन मामला (2) वारण्ट मामला  
(3) संज्ञेय मामला (4) असंज्ञेय मामला

119. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 409 के अन्तर्गत निम्न में से किसके पास मामले को वापस लेने की शक्ति है ?

- (1) उच्चतम न्यायालय (2) उच्च न्यायालय  
(3) सेशन न्यायालय (4) न्यायिक मजिस्ट्रेट

120. जब बन्दी जेल में परिरुद्ध किया जाना है, तब वारण्ट सौंपा जाएगा

- (1) जेलर को  
(2) लोक अभियोजक को  
(3) न्यायालय के अधिकारी को  
(4) जिला मजिस्ट्रेट को

121. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 437 संबंधित है

- (1) जमानतीय अपराध के मामले में जमानत से  
(2) अजमानतीय अपराध के मामले में जमानत से  
(3) अग्रिम जमानत से  
(4) शमनीय अपराध के मामले में जमानत से

122. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन समन की तालीम कौन कर सकता है ?

- (1) पुलिस अधिकारी  
(2) न्यायालय का अधिकारी  
(3) लोक सेवक  
(4) इनमें से कोई भी

118. A case relating to an offence punishable with death, imprisonment for life or imprisonment for a term exceeding two years, is known as \_\_\_\_\_.

- (1) summons case  
(2) warrant case  
(3) cognizable case  
(4) non-cognizable case

119. Which of the following has a power to withdraw a case under Section 409 of the code of Criminal Procedure 1973 ?

- (1) Supreme Court  
(2) High Court  
(3) Court of Session  
(4) Judicial Magistrate

120. When the prisoner is to be confined in a jail, the warrant shall be lodged with –

- (1) Jailor  
(2) Public prosecutor  
(3) Office of court  
(4) District Magistrate

121. Section 437 of the code of Criminal Procedure 1973 deals with –

- (1) bail in case of bailable offence  
(2) bail in case of non-bailable offence  
(3) anticipatory bail  
(4) bail in case of compoundable offence

122. Who may serve summons under the code of Criminal Procedure 1973 ?

- (1) police officer  
(2) officer of court  
(3) public servant  
(4) Any of these



123. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 2(17) लोक अधिकारी को परिभाषित करती है जिसमें सम्मिलित है :

- (1) सरकारी सेवक
- (2) सेना का कमीशण्ड ऑफिसर
- (3) प्रत्येक न्यायाधीश
- (4) ये सभी

124. लघुवाद न्यायालय किस न्यायालय के अधीनस्थ है ?

- (1) केवल उच्च न्यायालय के
- (2) केवल जिला न्यायालय के
- (3) उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय दोनों के
- (4) राजस्व न्यायालय के

125. अन्तःकालीन लाभ का दावा किया जा सकता है

- (1) केवल चल सम्पत्ति के संबंध में
- (2) केवल स्थावर सम्पत्ति के संबंध में
- (3) चल एवं स्थावर दोनों सम्पत्ति के संबंध में
- (4) बौद्धिक सम्पत्ति के संबंध में

126. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 9 के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन सा वाद पोषणीय नहीं है ?

- (1) विनिर्दिष्ट अनुतोष के लिए वाद
- (2) पूजा करने के अधिकार से संबंधित वाद
- (3) धार्मिक जुलूस निकालने से संबंधित वाद
- (4) पूर्णतः धार्मिक अधिकार पर आधारित वाद

127. निम्नलिखित में से कौन सा आदेश डिक्री नहीं है ?

- (1) प्रत्याक्षेप खारिज करने का आदेश
- (2) वाद के उपशमन का आदेश
- (3) वाद-पत्र नामंजूर करने का आदेश
- (4) कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश

123. Section 2(17) of the Code of Civil Procedure, 1908 defines public officer which includes –

- (1) Government servant
- (2) Commissioned officer of military
- (3) Every Judge
- (4) All of these

124. Court of small cause is subordinate to

- (1) only High Court
- (2) only District Court
- (3) both High Court and District Court
- (4) only Revenue Court

125. Mesne profit can be claimed regarding

- (1) movable property only
- (2) immovable property only
- (3) both movable and immovable property
- (4) intellectual property only

126. Which of the following suit is not maintainable under Section 9 of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Suit for specific relief
- (2) Suit relating to right to worship
- (3) Suit relating to taking out of religions procession
- (4) Suit based on purely religious rights

127. Which of the following order is not amounting to decree ?

- (1) An order dismissing cross objection
- (2) An order of abatement of a suit
- (3) An order rejecting a plaint
- (4) An order appointing a commissioner



128. "हर वाद उस निम्नतम श्रेणी के न्यायालय में संस्थित किया जायेगा जो उसका विचारण करने के लिए सक्षम है।" उक्त प्रावधान संबंधित है

- (1) प्रादेशिक क्षेत्राधिकार से
- (2) धन संबंधी क्षेत्राधिकार से
- (3) विषय-वस्तु संबंधित क्षेत्राधिकार से
- (4) अपीलीय क्षेत्राधिकार से

129. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 24 के अन्तर्गत निम्न में से कौन सी शक्ति उच्च न्यायालय को निहित नहीं है ?

- (1) किसी वाद को जो उसके सामने विचारण के लिए लंबित है, अपने अधीनस्थ किसी ऐसे न्यायालय को अन्तरित करने की शक्ति जो उसका विचारण करने के लिए सक्षम है।
- (2) अधीनस्थ न्यायालय में लंबित किसी वाद को प्रत्याहरण करने एवं उसका विचारण करने की शक्ति
- (3) किसी ऐसे वाद को जो उसके सामने विचारण के लिए लंबित है, उसे किसी अन्य उच्च न्यायालय में अन्तरित करने की शक्ति
- (4) किसी वाद को उस न्यायालय से अन्तरित करने की शक्ति, जिसे उसका विचारण करने की अधिकारिता नहीं है।

130. \_\_\_\_\_ में किसी वाद का लंबित होना, उसी वाद हेतुक पर आधारित किसी वाद का विचारण करने से भारत में/के न्यायालयों को प्रवरित नहीं करता।

- (1) जिला न्यायालय
- (2) उच्च न्यायालय
- (3) विदेशी न्यायालय
- (4) उच्चतम न्यायालय

128. "Every suit shall be instituted in the court of the lowest grade competent to try it." Such provision is related to

- (1) Territorial Jurisdiction
- (2) Pecuniary Jurisdiction
- (3) Jurisdiction as to subject matter
- (4) Appellate Jurisdiction

129. Which of the following power is not granted to the High Court under Section 24 of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Power to transfer a suit pending before it for trial to any court subordinate to it and competent to try.
- (2) Power to withdraw any suit pending in subordinate court and try of the same.
- (3) Power to transfer a suit pending before it for trial to other High Court.
- (4) Power to transfer a suit from a court which has no jurisdiction to try it.

130. The pendency of a suit in \_\_\_\_\_ does not preclude the courts in India from trying a suit founded on the same cause of action.

- (1) District Court
- (2) High Court
- (3) Foreign Court
- (4) Supreme Court

131. निम्नलिखित में से कौन सी डिक्री की अन्तर्वस्तु नहीं है ?
- (1) मामले का विस्तृत कथन
  - (2) दावे की विशिष्टियाँ
  - (3) पक्षकारों को अनुदत्त अनुतोष
  - (4) वाद में उपगत खर्चों की रकम
132. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का भाग IV संबंधित है
- (1) निष्पादन से
  - (2) आनुषंगिक कार्यवाहियों से
  - (3) विशिष्ट मामलों में वाद से
  - (4) विशेष कार्यवाहियों से
133. केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध वाद की दशा में, जहाँ वह रेल से संबंधित हो, पूर्व लिखित सूचना परिदत्त करने की आवश्यकता होती है
- (1) केन्द्रीय सरकार के सचिव को
  - (2) रेल के प्रधान प्रबन्धक को
  - (3) रेल मंत्री को
  - (4) गृह मंत्री को
134. ऐसे कार्य की बाबत जो कि लोक अधिकारी द्वारा अपनी पदीय हैसियत में किया गया है, लोक अधिकारी के विरुद्ध कोई वाद तब तक संस्थित नहीं किया जाएगा जब तक कि लिखित सूचना परिदत्त किये जाने के पश्चात् \_\_\_\_\_ का अवसान न हो गया हो।
- (1) दो सप्ताह
  - (2) दो माह
  - (3) छः सप्ताह
  - (4) छः माह
135. सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 25 के अन्तर्गत निम्न में से किस न्यायालय को अपील के अन्तरण की शक्ति निहित है ?
- (1) उच्चतम न्यायालय को
  - (2) उच्च न्यायालय को
  - (3) जिला न्यायालय को
  - (4) लघुवाद न्यायालय को
131. Which of the following is not a content of decree ?
- (1) Detail statement of the case
  - (2) Particulars of claim
  - (3) Relief granted to the parties
  - (4) Relief amount of costs incurred in the suit
132. Part-IV of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with
- (1) execution
  - (2) incidental proceedings
  - (3) suits in particular cases
  - (4) special proceedings
133. In the case of suit against the Central Government, where it relates to railway, a prior notice in writing is required to be delivered to
- (1) Secretary to Central Government
  - (2) General Manager of Railway
  - (3) Minister of Railway
  - (4) Minister of Home Affairs
134. No suit shall be instituted against a public officer in respect of any act done in his official capacity, until the expiration of \_\_\_\_\_ next after notice in writing has been delivered.
- (1) two weeks
  - (2) two months
  - (3) six weeks
  - (4) six months
135. Which of the following court has power to transfer an appeal under Section 25 of the Code of Civil Procedure, 1908 ?
- (1) Supreme Court
  - (2) High Court
  - (3) District Court
  - (4) Court of Small Causes

136. लोक अधिकारी के विरुद्ध ऐसे कार्य के बाबत जो कि उसकी पदीय हैसियत में किया गया है, के वाद में लोक अधिकारी को कौन सा विशेषाधिकार नहीं दिया गया है ?

- (1) उस पर गिरफ्तार होने का दायित्व नहीं होगा ।
- (2) उसे स्वीय उपसंज्ञाति से छूट दी जा सकती है ।
- (3) सरकार को पक्षकार के रूप में संयोजित किया जायेगा ।
- (4) डिक्री के निष्पादन में उसकी संपत्ति पर कुर्क किये जाने का दायित्व नहीं होगा ।

137. लोक अधिकारी के विरुद्ध ऐसे कार्य के बाबत जो कि उसकी पदीय हैसियत में किया गया है, के वाद में पारित डिक्री की तारीख से संगणित \_\_\_\_\_ की अवधि तक उस डिक्री के तुष्ट न होने पर ही डिक्री के निष्पादन का आदेश निकाला जाएगा ।

- (1) तीन दिवस
- (2) तीन सप्ताह
- (3) तीन मास
- (4) तीन वर्ष

138. अत्यावश्यक या तुरन्त अनुतोष अभिप्राप्त करने के लिए सरकार के विरुद्ध या लोक अधिकारी के विरुद्ध ऐसे कार्य के बाबत जो कि उसकी पदीय हैसियत में किया गया है, के वाद में यदि न्यायालय पक्षकारों की सुनवाई के बाद संतुष्ट हो जाए कि अत्यावश्यक या तुरन्त अनुतोष देने की आवश्यकता नहीं है, तो न्यायालय

- (1) वाद-पत्र नामंजूर कर देगा ।
- (2) उस सरकार या लोक अधिकारी के पक्ष में डिक्री पारित कर देगा ।
- (3) वाद-पत्र वापस कर देगा कि अपेक्षाओं का पालन करने के पश्चात् प्रस्तुत किया जाए ।
- (4) वादी पर शास्ति अधिरोपित कर देगा ।

136. Which of the following privilege is not given to the public officer in a suit instituted against a public officer in respect of any act done by him in his official capacity ?

- (1) He shall not be liable to arrest.
- (2) He may be exempted from appearing in person.
- (3) The Government shall be joined as a party to the suit.
- (4) His property shall not be liable to attachment in execution of a decree.

137. In a decree passed against public officer in respect of any act done by him in official capacity, the execution shall not be issued unless it remains unsatisfied for the period of \_\_\_\_\_ computed from the date of such decree.

- (1) three days
- (2) three weeks
- (3) three months
- (4) three years

138. In a suit to obtain an urgent or immediate relief against Government or public officer for act done in his official capacity, if the court is satisfied after hearing the parties that no urgent or immediate relief need to be granted in suit, the court shall

- (1) reject the plaint
- (2) pass a decree in favour of that government or public officer
- (3) return the plaint for presentation after complying with requirements
- (4) impose penalty upon plaintiff

139. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का आदेश XXVII संबंधित है
- (1) सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध या अपनी पदीय हैसियत में लोक अधिकारियों द्वारा या उनके विरुद्ध वाद से
  - (2) संक्षिप्त प्रक्रिया से
  - (3) स्थगन से
  - (4) पक्षकारों की मृत्यु, उनका विवाह और दिवाला से
140. निम्नलिखित में से किस आधार पर न्यायालय वाद-पत्र को लौटा देगा ?
- (1) वाद-पत्र वाद हेतुक प्रकट नहीं करता है ।
  - (2) वाद-पत्र दो प्रतियों में प्रस्तुत नहीं किया जाता है ।
  - (3) वाद-पत्र के कथन से यह प्रतीत होता है कि वाद किसी विधि द्वारा वर्जित है ।
  - (4) वाद-पत्र उस न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिसमें वाद संस्थित किया जाना चाहिए था ।
141. सिविल प्रक्रिया संहिता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?
- (1) सन् 1859 से पहले कोई समान सिविल प्रक्रिया संहिता नहीं थी ।
  - (2) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 दिनांक 01 जनवरी, 1909 को लागू हुई ।
  - (3) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का पूर्वव्यापी प्रभाव है ।
  - (4) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की पहली अनुसूची में 51 आदेश हैं ।
142. निम्नलिखित में से कौन भारतीय न्यायालय में वाद संस्थित नहीं कर सकता ?
- (1) भारतीय नागरिक
  - (2) अन्य देशीय मित्र
  - (3) अन्य देशीय शत्रु जो केन्द्रीय सरकार की बिना अनुज्ञा भारत में निवास कर रहा हो ।
  - (4) विदेशी राज्य
139. Order XXVII of the Code of Civil Procedure, 1908 deals with
- (1) Suits by or against the Government or Public officer in their official capacity.
  - (2) Summary procedure
  - (3) Adjustments
  - (4) Death, Marriage and Insolvency of parties
140. On which of the following ground the court shall return a plaint ?
- (1) The plaint does not disclose a cause of action.
  - (2) The plaint is not filed in duplicate.
  - (3) The suit, appears from the statement in the plaint to be barred by law.
  - (4) The plaint to be presented to the court in which the suit should have been instituted.
141. Which of the following statement is not true with regard to the Code of Civil Procedure ?
- (1) Before 1859, there was no uniform code of Civil Procedure.
  - (2) The Code of Civil Procedure, 1908 came into force with effect from January 01, 1909.
  - (3) The Code of Civil Procedure, 1908 has retrospective effect.
  - (4) The first schedule of the Code of Civil Procedure, 1908 comprises 51 orders.
142. Which of the following cannot institute a suit in Indian Courts ?
- (1) Citizen of India
  - (2) Alien friend
  - (3) Alien enemy residing in India without permission of Central Government
  - (4) A Foreign State

143. जहाँ कोई वाद सम्यक् रूप से संस्थित किया जा चुका है, वहाँ उपसंजात होने और दावे का उत्तर देने के लिए समन प्रतिवादी के नाम निकाला जा सकेगा और उसकी तामील, ऐसे दिन को जो वाद के संस्थापन की तारीख से \_\_\_\_\_ से बाद का ना हो, की जा सकेगी।

- (1) तीस दिन (2) साठ दिन  
(3) दस दिन (4) बीस दिन

144. न्यायालय, किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके नाम सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 30 के अधीन समन निकाला गया है, को हाजिर होने के लिए विवश करने बाबत निम्न में से कौन सी शास्ति अधिरोपित नहीं कर सकता ?

- (1) उसकी गिरफ्तारी के लिए वारण्ट निकालना।  
(2) उसकी सम्पत्ति को कुर्क एवं विक्रय करना।  
(3) उसके ऊपर पाँच हजार रुपये से अधिक जुर्माना अधिरोपित करना।  
(4) उसकी उपसंजाति के लिए प्रतिभूति का आदेश देना।

145. निम्नलिखित में से किस आधार पर वाद विफल हो सकता है ?

- (1) आवश्यक पक्षकारों के कुसंयोजन पर  
(2) उचित पक्षकारों के कुसंयोजन पर  
(3) उचित पक्षकारों के असंयोजन पर  
(4) आवश्यक पक्षकारों के असंयोजन पर

146. कथन : एक अवयस्क किसी मृत व्यक्ति का विधिक प्रतिनिधि हो सकता है।

व्याख्या : लेकिन किसी विधिक प्रक्रिया में अवयस्क का प्रतिनिधित्व वाद-मित्र या संरक्षक द्वारा किया जाना चाहिए।

- (1) कथन सत्य है, लेकिन व्याख्या असत्य है।  
(2) कथन असत्य है, लेकिन व्याख्या सत्य है।  
(3) कथन एवं व्याख्या दोनों असत्य हैं।  
(4) कथन एवं व्याख्या दोनों सत्य हैं।

143. Where a suit has been duly instituted a summons may be issued to the defendant to appear and answer the claim and may be served on such day not beyond \_\_\_\_\_ from the date of institution of suit.

- (1) thirty days (2) sixty days  
(3) ten days (4) twenty days

144. Which one of the following penalty cannot be imposed by the court to compel the attendance of any person to whom a summons has been issued under Section 30 of the Code of Civil Procedure, 1908 ?

- (1) Issue a warrant for his arrest  
(2) Attach and sell his property  
(3) Impose a fine upon him exceeding five thousand rupees  
(4) Order him to furnish security for his appearance

145. On which of the following ground a suit may be defeated ?

- (1) Mis-joinder of Necessary parties  
(2) Mis-joinder of Proper parties  
(3) Non-joinder of Proper parties  
(4) Non-joinder of Necessary parties

146. Statement : A minor can be a legal representative of a deceased person.

Explanation : But in any legal proceedings, such minor must be represented by his next friend or guardian.

- (1) Statement is true but explanation is false.  
(2) Statement is false but explanation is true.  
(3) Both the statement and explanation are false.  
(4) Both the statement and explanation are true.



147. प्रतिवादी द्वारा किये जाने वाले मुजरा के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?
- (1) वाद धन की वसूली के लिए होना चाहिए ।
  - (2) धन की राशि अभिनिश्चित होनी चाहिए ।
  - (3) धनराशि न्यायालय की अधिकारिता की धन संबंधी सीमाओं से अनधिक होनी चाहिए ।
  - (4) अगर एक से ज्यादा प्रतिवादी हों, तो धनराशि किसी भी प्रतिवादी द्वारा वसूल करने योग्य होनी चाहिए ।
148. जहाँ वाद की सुनवाई के लिए पुकार होने पर दोनों में से कोई भी पक्षकार उपसंजात नहीं होता है, तो वहाँ न्यायालय यह आदेश दे सकेगा कि
- (1) वादी के पक्ष में डिक्री पारित की जाए ।
  - (2) वाद खारिज कर दिया जाए ।
  - (3) वाद-पत्र नामंजूर कर दिया जाए ।
  - (4) वाद-पत्र लौटा दिया जाए ।
149. जहाँ वाद की सुनवाई के लिए पुकार होने पर वादी उपसंजात हो जाता है और प्रतिवादी उपसंजात नहीं होता है और यह साबित नहीं होता है कि समन की तामील सम्यक् रूप से की गई थी, तब न्यायालय
- (1) वाद की एक पक्षीय सुनवाई करेगा ।
  - (2) वाद खारिज कर देगा ।
  - (3) आदेश देगा कि दूसरा समन निकाला जाए और उसकी तामील प्रतिवादी पर की जाए ।
  - (4) प्रतिवादी की गिरफ्तारी के लिए वारण्ट निकालेगा ।
150. जब लागू होने योग्य हो तब \_\_\_\_\_ के प्ररूप और जहाँ वे लागू होने योग्य न हो, वहाँ जहाँ तक हो सके, लगभग वैसे ही प्ररूप सभी अभिवचनों के लिए प्रयुक्त किये जाएँगे ।
- (1) परिशिष्ट 'क'      (2) परिशिष्ट 'ख'
  - (3) परिशिष्ट 'ग'      (4) परिशिष्ट 'घ'
147. Which of the following statement is not true with regard to set-off, claimed by defendant ?
- (1) The suit must be for recovery of money.
  - (2) The sum of money must be ascertained.
  - (3) The sum of money must not exceed the limits of pecuniary jurisdiction of the court.
  - (4) The sum of money must be recoverable by any defendant, if more than one.
148. Where neither party appears when the suit is called on for hearing, the court may make an order that ?
- (1) The decree be passed in favour of plaintiff.
  - (2) The suit be dismissed.
  - (3) The plaint be rejected.
  - (4) The plaint be returned.
149. Where the plaintiff appears and the defendant does not appear when the suit is called for hearing and it is not proved that the summons was duly served, the court shall
- (1) hear the suit ex-parte
  - (2) dismiss the suit
  - (3) direct a second summons to be issued and served on defendant
  - (4) issue a warrant for arrest of defendant
150. The forms in \_\_\_\_\_, when applicable and where they are not applicable, forms of like character, as nearly as may be, shall be used for all pleadings.
- (1) Appendix 'A'      (2) Appendix 'B'
  - (3) Appendix 'C'      (4) Appendix 'D'



रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

